

# शिव सागरमोती अँग्रोटेक, अकोला

पिक : संशोधीत सोयाबीन

वाण : राधा

| अनु. क्र. | विवरण                                                                                   | तपशील                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
|-----------|-----------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 01        | पिकाच्या वाणास योग्य कृषी विभाग                                                         | खरीप हंगाम 6,8,9                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| 02        | जमिनीची निवड व जमिनची मशागत                                                             | मध्यम ते भारी जमीन, पुर्वीचे पीककाढल्यानंतर जमीन नांगराने वखारच्या उभ्या आडव्या पाळ्या देवून जमीन भुसभुशीत करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| 03        | बिज प्रक्रिया वेळ / रासायनिक औषधे                                                       | पेरणीपुर्वी बियाण्यास 3 ग्रॅम थायरम अथवा 1 ग्रॅम कार्बोन्डझीम + 2 थायरम याप्रमाणे बुरशीजन्य रोगांपासून संरक्षणा साठी बीज प्रक्रिया करावी आणि 4 ग्रॅम ट्रायकोडर्मा प्रति किलो या प्रमाणात लावावे.                                                                                                                                                                                                                            |
| 04        | पेरणीची वेळ                                                                             | जुन, जुलैचा पहिला आठवडा                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| 05        | पेरणीकरिता लागणारे बियाणे-पेरणीची पध्दत (दोन ओळीतील व दोन रोपांमध्ये अंतर ठेवून /पेरणी) | 70 ते 75 टक्के उगवणशक्तीचे प्रति हेक्टर 75 किलो बियाणे वापरावे. दोन ओळीतील अंतर 30 सें मी व दोन झाडातील अंतर 8 सें.मी. ठेवावे पेरणी सरत्याने करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| 06        | रासायनिक खते मात्रा व खत देण्याचा कालावधी व वेळ                                         | हेक्टर 30 किलो नत्र व 75 किलो स्फुरद वापरावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| 07        | तण नियंत्रण - रासायनिक औषध व मात्रा व वेळ                                               | फल्युक्लोरॅलनी (बासालीन 45% इ.सी. क्रियाशील घटक 0.75 - 1.0 किलो प्रति हेक्टर पेरणीपुर्वी फवारावे व पेंडिमेथॅलीन (स्टॉम्प 30 % इ.सी) क्रियाशील घटक 1.0 किलो प्रति हेक्टर उगवणपूर्वी फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                            |
| 08        | रोग व किड नियंत्रण रासायनिक औषध मात्रा व वेळ                                            | खोडमाशी - ट्रायझोफॉस 40 % प्रवाही 10 मि.ली किंवा क्लोरोपायरीफॉस 20 % प्रवाही 20 मि.ली. 10 लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. पांढरीमाशी, चक्रभुंगा -डायमेथोएट 30% प्रवाही 10 मि.ली. किंवा एन्डोसल्फान 35 % प्रवाही 15 मि.ली. 10 लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. हिरवी उंटअळी, तंबाखुची पाने खाणारी अळी, केसाळ अळी आढळल्यास मिथील पॅराथिऑन 2 % भुकटी किंवा क्विन्तॉलफॉस 1.5 % भुकटी हेक्टर 20 किलो या प्रमाणे धुरकणी करावी. |
| 09        | पाणी देण्याचे वेळापत्रक                                                                 | शेंगा भरल्यावेळी 1 ते 2 वेळा पाणी देणे                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| 10        | पिक काढण्याचा तपशील                                                                     | दाणे भरल्यानंतर मळणी यंत्राने पिक काढावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| 11        | वाणाचे गुणवत्ता विषयक गुणधर्म                                                           | 95 ते 100 दिवसांत तयार होते. भारी जमिनीसाठी अति उत्तम                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
| 12        | अपेक्षित उत्पन्न                                                                        | 25 ते 30 क्विंटल प्रति हेक्टर                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |